

न्यायालय अति.संभागीय आयुक्त, बीकानेर संभाग, बीकानेर  
पीठासीन अधिकारी ए.एच. गौरी, आर.ए.एस.

अपील संख्या 229/2017 एल.आर. एकट (GCMS No 2017/00056)

सुगनाराम पुत्र मालाराम जाति मेधवाल निवासी ग्राम भोजूसर  
उपधियान तहसील सरदारशहर जिला चूरु।

अपीलान्त

बनाम

1. बीरबलराम पुत्र लिच्छुराम जाति मेधवाल निवासी भोजूसर उपधियान  
तहसील सरदारशहर जिला चूरु।
2. भूराराम पुत्र लिच्छुराम जाति मेधवाल निवासी भोजूसर उपधियान  
तहसील सरदारशहर जिला चूरु।
3. सुरजाराम पुत्र लिच्छुराम जाति मेधवाल निवासी भोजूसर उपधियान  
तहसील सरदारशहर जिला चूरु।
4. कुशलाराम पुत्र लिच्छुराम जाति मेधवाल निवासी भोजूसर उपधियान  
तहसील सरदारशहर जिला चूरु।
5. लालूराम पुत्र लिच्छुराम जाति मेधवाल निवासी भोजूसर उपधियान  
तहसील सरदारशहर जिला चूरु।
6. बुधी पुत्री लिच्छुराम जाति मेधवाल निवासी भोजूसर उपधियान तहसील  
सरदारशहर जिला चूरु।
7. स्टेट जरिये तहसीलदार सरदारशहर जिला चूरु।

रेस्पोडेंट

उपस्थित:

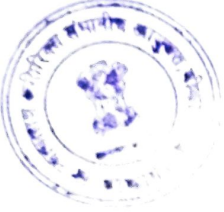
1. श्री नरसाराम जाखड़ - अभिभाषक अपीलान्त
2. श्री जयचन्दलाल सारस्वत - अभिभाषक रेस्पोडेंट सं.  
1, 2, 4, 5, 6.
3. श्री प्रेम गोदारा - अभिभाषक रेस्पोडेंट सं. 3
4. श्री मोहम्मद इन्तियाज अली - राजकीय अभिभाषक

निर्णय

दिनांक: 04.01.2023

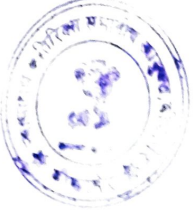
1. यह अपील भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 76 के अन्तर्गत  
उपखण्ड अधिकारी सरदारशहर के निर्णय दिनांक 27.04.2017 के  
विरुद्ध पेश हुई है।
2. अपील के तथ्य संक्षेप में इस प्रकार है कि रेस्पोडेंट सं. 1 ने  
अधीनस्थ न्यायालय उपखण्ड अधिकारी सरदारशहर में ग्राम भादासर  
दिखनादा द्वारा तस्दीक नामान्तरण सं. 591 दिनांक 05.02.2007  
तहसील सरदारशहर के विरुद्ध अपील प्रस्तुत कर नामान्तरण सं.  
591 दिनांक 05.02.2007 को आंशिक रूप से अपास्त कर मनोहरी  
पत्नी लिच्छू के विरास्तन हिस्सा में दर्ज सुगनाराम पुत्र मालाराम के

11  
अति.संभागीय आयुक्त  
बीकानेर



स्थान पर बीरबलराम, सुरजाराम, कुशलाराम, लालूराम, भूराराम, बुधी पिसरान लिछमण दर्ज किये जाने का निवेदन किया। जिस पर उपखण्ड अधिकारी सरदारशहर द्वारा अपने निर्णय दिनांक 27.04.2017 द्वारा अपील आंशिक रूप स्वीकार कर इन्तकाल सं. 591 को आंशिक रूप से अपास्त कर तहसीलदार को आदेश दिया कि मनोहरी पत्नी लिछमणराम के विरास्तन हिस्सा मे दर्ज सुगनाराम पुत्र मालाराम के नाम को कलमजन कर बीरबलराम, सुरजाराम, कुशलाराम, लालूराम, भूराराम, बुधी पि. लिछमण के नाम राजस्व रिकार्ड मे बहिस्सा बराबर दर्ज किया जावे। उक्त आदेश के विरुद्ध अपीलान्ट द्वारा यह अपील प्रस्तुत की गई है।

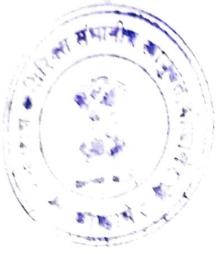
3. अपील पेश होने पर दर्ज रजिस्टर की जाकर, रेस्पोंडेन्ट्स एवं अधीनस्थ न्यायालय का रिकॉर्ड तलब किया गया।
4. अपीलांट के विद्वान अभिभाषक ने अपील मीमो मे अंकित बिन्दुओं को दौहराते हुए बहस के दौरान कहा कि रोही मोजा भादासर दिखणादा तहसील सरदारशहर के खसरा नं. 314 तादादी 13 बीधा 18 विश्वा, खसरा नं. 416 तादादी 12 बीधा 6 बिश्वा, खसरा नं. 419 तादादी 14 बीधा 15 विश्वा व खसरा नं. 435 तादादी 20 बीधा 16 बिश्वा, कुल किता 4 कुल तादादी 61 बीधा 15 बिश्वा बारानी भूमि की पैत्रिक भूमि है, अपीलान्ट की दादी मनोहरी बेवाह लिच्छू के फौत होने पर उनके वारिसान अपीलान्ट के पिता मालाराम व सुरजाराम, बालूराम, भूराराम, कुशलाराम के नाम से नामान्तकरण दर्ज होना चाहिए था परन्तु अपीलान्ट के पिता मालाराम का स्वर्गवास मनोहरी से पूर्व ही हो गया था इसलिए मालाराम का एक मात्र वारिस अपीलान्ट होने के कारण उपरोक्त रकबा मे अपीलान्ट का 1/12 हिस्सा सही दर्ज किया गया है, फिर भी अदालत मातहत ने बिना अपीलान्ट को सुनवाई का अवसर दिये एक तरफा तौर पर अपीलाधीन आदेश पारित किया है। विरास्तन इंतकाल सं. 591 ग्राम पंचायत की आम सभा की बैठक मे पूर्ण जांच कर गवाह सबूत आदि लेकर विधिवत रूप से दर्ज किया गया था। अदालत मातहत के समक्ष रेस्पोंडेन्ट सं. 1 के द्वारा कशीब 9-10 वर्ष के अन्तराल बाद अपील प्रस्तुत की गई थी, फिर भी अदालत मातहत ने बिना अपील का अवलोकन किए, बिना गियाद का बिन्दु तैय किए,



अपीलाधीन आदेश पारित कर दिया। अदालत मातहत में रैस्पॉडेन्ट सं. 1 के द्वारा प्रस्तुत धारा-5 मियाद के प्रार्थना पत्र में मियाद के बिन्दु पर कुछ भी नहीं लिखा है, ना ही कोई कारण दर्शाया गया है। अदालत मातहत के द्वारा अपीलान्ट का नोटिस जिस अखबार में प्रकाशित करवाया है, वह प्रचलित अखबार ही नहीं है, केवल खाना पूर्ती करते हुए प्रकाशन करवाकर अपीलान्ट की पीठ पिछे अपीलाधीन आदेश पारित कर दिया। अपीलान्ट मातहत ने अपने निर्णय में लिखा है कि अपीलान्ट सुरजाराम का पुत्र होना साबित होता है वह पूर्णतया गलत है, वास्तविकता यह कि अपीलान्ट की माता पुर्णी है जिसका विवाह अपीलान्ट के पिता मालाराम के साथ हुआ था, और जब अपीलान्ट करीब 8-9 माह का था तब अपीलान्ट के पिता का स्वर्गवास हो गया और अपीलान्ट की माता पुर्णी सुरजाराम के नाते चली गई। अपीलान्ट को जब रेकार्ड में अपने पिता के नाम की जानकारी हुई तो अपीलान्ट ने विधिक प्रक्रिया अपना कर नाम परिवर्तन करवा भी लिए साथ राजस्व रेकार्ड में दुरुस्ती करवाने के लिए भी एक वाद अदालत मातहत के यहा विचाराधीन है जो रैस्पॉडेन्ट के जवाब दावा हेतु चल रहा है। इसके अलावा रैस्पॉडेन्ट सं. 1 के द्वारा अदालत मातहत के समक्ष प्रस्तुत अपील में ग्राम पंचायत भादासर दिखणादा को पक्षकार ही नहीं बनाया जबकि ग्राम पंचायत के आदेश के विरुद्ध ही अपील प्रस्तुत की गई थी ऐसी स्थिति में ग्राम पंचायत आवश्यक पक्षकार थी व है। इंतकाल की कार्यवाही में किसी के अधिकार तैय नहीं किये जा सकते है वो केवल नियमित वाद में तैय किये जा सकते है। अपीलान्ट को अपीलाधीन आदेश की जानकारी नहीं दी गई, अपीलान्ट ने अपील प्रस्तुत करने में जानबूझ कर देरी नहीं की है, उक्त देरी उन्हे जानकारी न होने के कारण हुई है। अतः अपील जानकारी से अन्दर मियाद शुमार कर अपील स्वीकार कर अपीलाधीन निर्णय दिनांक 27.04.2017 निरस्त फरमाया जावे।

5. रैस्पॉडेन्ट संख्या 1, 2, 4, 5, 6 विद्वान अभिभाषक ने बहस के दौरान कथन किया कि खसरा नं. 314 तादादी 13 बीधा 18 बिश्वा, खसरा नं. 416 तादादी 12 बीधा 6 बिश्वा, खसरा नं. 419 तादादी 14 बीधा 15 बिश्वा, खसरा नं. 435 तादादी 20 बीधा 16 बिश्वा, कुल तादादी

11  
अति.संमानीय आयुक्त  
सोपानेर



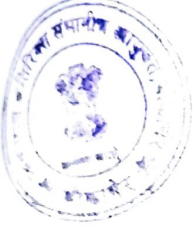
61 बीधा 15 बिश्वा रोही मोजा भादासर दिखनादा मे सह खातेदार मनाहरी पत्नी लिछमणराम थी। जिसका स्वर्गवास होने पर विरास्तन नामान्तकरण सं. 591 दिनांक 05.02.2007 ग्राम पंचायत भादासर दिखनादा द्वारा तस्दीक किया गया था, जो केवल मनोहरी के जायज वारिसान के पक्ष में दर्ज व तस्दीक होना चाहिए था लेकिन अपीलान्त ने मनोहरी के जायज वारिसान के साथ स्वय को मनोहरी के स्व. मालाराम का बेटा गलत रूप से अंकित करवाकर इन्तकाल दर्ज करा लिया जबकि अपीलान्त सुगनाराम, सुरजाराम का पुत्र है। अधीनस्थ न्यायालय ने अपने निर्णय में पूर्ण विवेचन व प्रस्तुत दस्तावेज में निर्वाचक नामावलियो, जॉबकार्ड, राजस्व रिकार्ड की प्रमाणित प्रतिया को पुष्ट पाने पर अपीलान्त सुगनाराम को मालाराम का पुत्र न मानकर सुरजाराम का पुत्र माना है जो सही भी है। सुननाराम स्व. मनोहरी का प्रथम श्रेणी का वारिस भी नहीं है। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित निर्णय सही है अतः अपीलान्त की अपील खारिज की जावे।

6. राजकीय अभिभाषक ने बहस के दौरान कहा कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित निर्णय सही है अतः अपीलान्त की अपील खारिज की जावे।

7. हमने विद्वान अभिभाषकगणों की बहस पर मनन करते हुवे उपलब्ध दस्तावेजात, एवं अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली का ध्यानपूर्वक अवलोकन/ अध्ययन किया। अपीलान्त का कथन है कि अपीलाधीन आदेश उसके विरुद्ध एक तरफा हुआ है जिसकी जानकारी दिनांक 02.07.2017 को हुई तब नकल लेकर यह अपील प्रस्तुत की है। इस संबध में दफा 5 मियाद अधिनियम का प्रार्थना पत्र मय शपथ पत्र प्रस्तुत किया है जिसका जवाब /खण्डन रेस्पोंडेंट की और से प्रस्तुत नहीं किया गया है अतः प्रार्थना पत्र दफा 5 मियाद अधिनियम न्यायहित में स्वीकार किया जाकर इस अपील को अन्दर मियाद शुमार किया जाता है।

8. प्रस्तुत अपील उपखण्ड अधिकारी सरदारशहर के निर्णय दिनांक 27.04.2017 के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है। जिसके द्वारा उन्होने मनोहरी पत्नी लिच्छुराम उर्फ लिछमणराम के विरास्तन नामान्तकरण सं. 591 दिनांक 05.02.2007 ग्राम पंचायत भादासर दिखनादा के

अति.संमतीय आयुक्त  
चौकानेर



ग्राम ख. नं. 314 तादादी 13 बीधा 18 बिश्वा, ख. नं. 416 तादादी 12 बीधा 6 बिश्वा, ख. नं. 419 तादादी 14 बीधा 15 बिश्वा, ख. नं. 435 तादादी 20 बीधा 16 बिश्वा, कुल तादादी 61 बीधा 15 बिश्वा बाबत पारित किया है जिसमें अपीलान्त को मालाराम का पुत्र न मानकर सुरजाराम का पुत्र माना है। इस संबध मे पत्रावली का अवलोकन करने से स्पष्ट होता है कि उक्त प्रकरण में पुलिस थाना सरदारशहर मे एक FIR संख्या 327/2014 दिनांक 11.07.2014 को अपीलान्त व अन्य के विरुद्ध दर्ज हुई जिसका चालान दिनांक 31.08.2014 को प्रस्तुत करते हुए अपीलान्त को दफा 420, 467, 468, 471 का मुल्जिम मानकर श्रीमान न्यायिक मजिस्ट्रेट महोदय के संमक्ष गिरफ्तार कर दिनांक 21.08.2014 को पेश किये जाने पर JC किया गया। जिससे स्पष्ट होता है कि प्रथम दृष्टया अपीलान्त स्वर्गीय मनोहरी पत्नी लिच्छुराम उर्फ लिछमणराम के विरास्तन नामान्तकरण में हितबद्ध पक्षकार नहीं है। इन्तकाल की कार्यवाही एक Fiscal कार्यवाही है। उक्त कार्यवाही में किसी प्रकार के अधिकार एवं स्वत्व का निर्धारण नहीं किया जा सकता है। इस हेतु अपीलान्त नियमित वाद के जरिये यदि कोई अनुतोष है तो प्राप्त कर सकता है। अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर अपील अपीलान्त खारिज की जाती है।

9. तदनुसार अपील निर्णित शुमार हो। पत्रावली नम्बर से कम हो। पत्रावली बाद तरतीब, तकमील दाखिल दफ्तर रहे। निर्णय आज दिनांक 04.01.2023 को लिखवाया जाकर सरे इजलास सुनाया गया।

(ए.एच.गौरी)  
अति.संभागीय आयुक्त,  
बीकानेर